



विकास का बढ़ता दायरा

ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के लिए कल्याण, समावेश और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना

13 अगस्त 2026

भारत की विकास यात्रा अब ग्रामीण और जनजातीय समुदायों तक और अधिक गहराई से पहुंच रही है तथा पहुंच, अवसर और जीवन की गुणवत्ता में बदलाव ला रही है। बुनियादी सेवाओं और मजबूत अवसंरचना से लेकर आजीविका, कौशल, शिक्षा और वित्तीय सुरक्षा तक, विभिन्न पहलें समावेशी विकास की बुनियाद को व्यापक बना रही हैं। महिलाओं, जनजातीय समुदायों और कमजोर वर्गों के लिए केंद्रित प्रयास गरिमापूर्ण जीवन और सशक्तिकरण के अवसरों को और मजबूत कर रहे हैं। ये पहलें व्यापक अवसर, सशक्त समुदायों और अधिक न्यायसंगत विकास के माध्यम से ग्रामीण भारत के स्वरूप को बदल रही हैं।

कल्याणकारी वितरण से विकेंद्रीकृत भागीदारी तक

- ग्राम पंचायतों को प्रत्यक्ष राजकोषीय हस्तांतरण बढ़ाया गया है। 15वें वित्त आयोग (2021-26) के तहत ₹2.36 लाख करोड़ से बढ़ाकर 16वें वित्त आयोग (2026-31) के तहत ₹4.35 लाख करोड़ किया गया है।
- ग्रामीण विकास के लिए केंद्रीय बजट 2016-17 में ₹87,765 करोड़ से बढ़ाकर 2026-27 में ₹2.73 लाख करोड़ किया गया है।
- जनजातीय कार्य मंत्रालय का केंद्रीय बजट 2016-17 में ₹4,826 करोड़ से बढ़ाकर 2026-27 में ₹15,421.97 करोड़ किया गया है।

गरिमापूर्ण जीवन की बुनियाद: बुनियादी आवश्यकताओं तक सार्वभौमिक पहुंच

जल जीवन मिशन

- घरों में नल के पानी की पहुंच अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ से बढ़कर 12 अगस्त 2026 तक 15.91 करोड़ से अधिक हो गई है।
- 12 अगस्त 2026 तक, हर घर जल अभियान के तहत 2.89 लाख गांवों ने 100% नल के पानी की पहुंच की सूचना दी है।

स्वच्छ भारत अभियान-ग्रामीण

- 12 अगस्त 2026 तक, 12.19 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है।
- भारत को 2019 में खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित किया गया था।

- 11 अगस्त 2026 तक, 1,288 से अधिक गोवर्धन बायोगैस संयंत्र संचालित हैं, जबकि वित्त वर्ष 2018-19 में केवल 14 संयंत्र संचालित थे।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

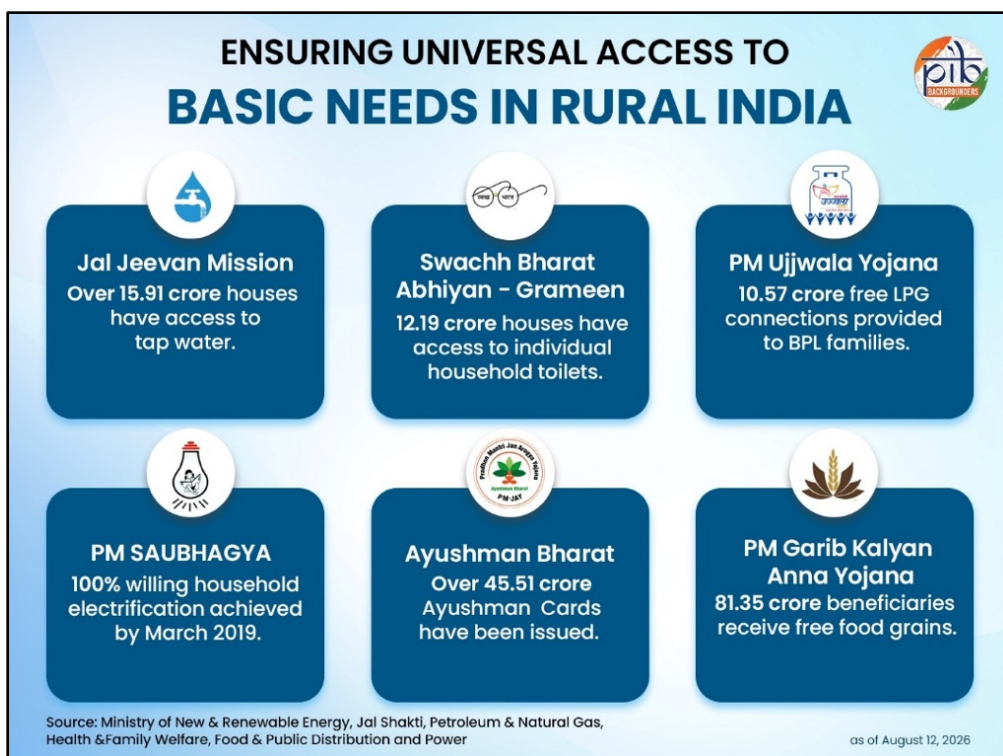
- 12 अगस्त 2026 तक, गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को 10.57 करोड़ से अधिक मुफ्त LPG कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं।
- भारत में LPG कनेक्शनों की कुल संख्या 2014 में 14.52 करोड़ से बढ़कर 2026 में 33.39 करोड़ हो गई है।

सार्वभौमिक ग्राम विद्युतीकरण

- प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत मार्च 2019 तक देशभर में बिजली कनेक्शन के इच्छुक 100% घरों का विद्युतीकरण सुनिश्चित किया गया।
- दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत 2025 तक 100% गांवों का विद्युतीकरण हासिल किया गया।

आयुष्मान भारत

- 12 अगस्त 2026 तक, 45.51 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं।
- 12 अगस्त 2026 तक, 96.43 करोड़ आभा खाते बनाए जा चुके हैं।
- 12 अगस्त 2026 तक, 1.86 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर वर्तमान में कार्यरत हैं।



सभी के लिए खाद्य सुरक्षा

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के तहत 81.35 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

- 29 जुलाई 2026 तक, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के तहत 99.8% उचित मूल्य की दुकानों को आधार-आधारित खाद्यान्न वितरण के लिए स्वचालित किया जा चुका है।
- 29 जुलाई 2026 तक, सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राशन कार्ड 100% डिजिटलीकृत किए जा चुके हैं।
- 29 जुलाई 2026 तक, वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC) के तहत 221 करोड़ से अधिक पोर्टेबिलिटी लेनदेन दर्ज किए जा चुके हैं।

समग्र शिक्षा अभियान (सर्व शिक्षा अभियान)

- 2018-19 से 2025-26 के बीच, 4,073 स्कूलों का उन्नयन किया गया और 1.49 लाख ICT एवं डिजिटल पहलों को लागू किया गया। इसके अलावा, 25,000 स्कूलों को कौशल शिक्षा के अंतर्गत शामिल किया गया है।
- 97.3% स्कूलों में कार्यशील बालिका स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध हैं।
- प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बालिका ड्रॉपआउट दर 2013-14 में 4.6% से घटकर 2025-26 में 0.1% हो गई है। वहीं, माध्यमिक विद्यालय स्तर पर यह दर 2013-14 के 14.5% से घटकर 2025-26 में 8% रह गई है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण और नामांकन स्तर में सुधार

- 2019 में मौजूदा एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण श्रेणियों से बाहर के उम्मीदवारों के लिए 10% इंडब्ल्यूएस आरक्षण प्रदान किया गया। इस निर्णय से सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से वंचित लोगों को लाभ मिला।
- 2025-26 में, सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) प्राथमिक स्तर पर 89.4 और माध्यमिक स्तर पर 81.5 दर्ज किया गया। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर जीईआर 2014-15 के 46.4 से बढ़कर 2025-26 में 61.7 हो गया।

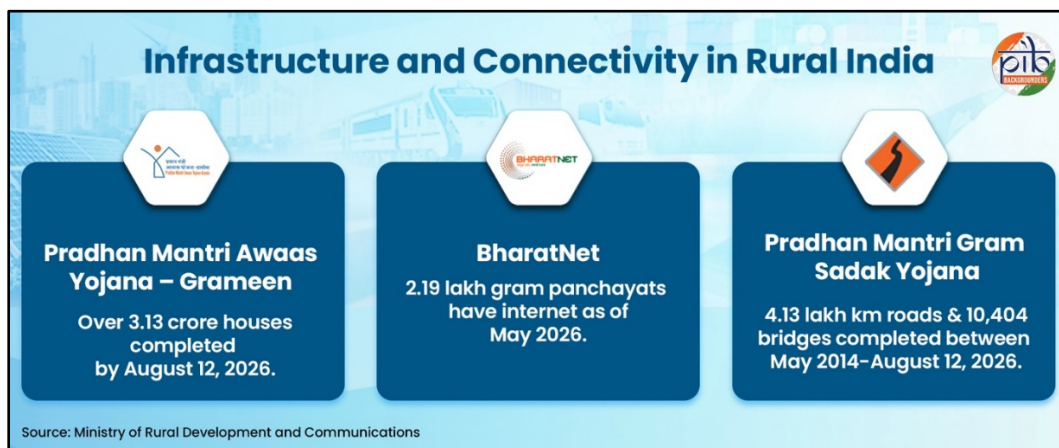
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

- माध्यमिक स्तर (कक्षा 9-10) पर बालिकाओं का सकल नामांकन अनुपात (GER) 2014-15 में 75.5% से बढ़कर 2025-26 में 83.4% हो गया।

कस्तूरबा बालिका विद्यालय और ईविद्या

- स्वीकृत स्कूलों की संख्या 2014-15 में 3,609 से बढ़कर 2024-25 में 5,639 हो गई। 2024-25 तक 5,133 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) संचालित हैं।
- नामांकन 2014-15 में 3.52 लाख से बढ़कर 2024 में 7.11 लाख हो गया।
- SWAYAM पोर्टल (भारत का स्वदेशी MOOC प्लेटफॉर्म) पर 12 अगस्त 2026 तक 6.5 करोड़ से अधिक नामांकन दर्ज किए जा चुके हैं।
- 12 अगस्त 2026 तक, DIKSHA पर 2.35 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर्स हैं।

बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी की मजबूत नींव का निर्माण



प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण

- प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के तहत 3.91 करोड़ से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं और 12 अगस्त 2026 तक 3.13 करोड़ आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

- जून 2026 तक, पात्र बस्तियों में से 99.6% को सभी मौसम में चलने योग्य सड़कों से जोड़ा जा चुका है।
- निर्मित सड़कों की लंबाई मई 2000-मई 2014 के दौरान 3.86 लाख किमी से बढ़कर मई 2014-12 अगस्त 2026 के दौरान 4.13 लाख किमी हो गई।
- निर्मित पुलों की संख्या मई 2014-12 अगस्त 2026 के दौरान 484 से बढ़कर 10,404 हो गई।

ग्राम पंचायतों का डिजिटलीकरण

- भारतनेट के तहत, मई 2026 तक 2.19 लाख ग्राम पंचायतें (GPs) जुड़ी हुई हैं।
- ईग्राम स्वराज के ज़रिए, जून 2026 तक ₹3 लाख करोड़ से ज़्यादा के पेमेंट प्रोसेस किए जा चुके हैं।
- जून 2026 तक 1.28 लाख से ज़्यादा GPs मीटिंग समरी बनाने के लिए सभासार का इस्तेमाल कर रहे हैं।

खुशहाली के रास्ते: आजीविका, हुनर और वित्तीय सुरक्षा

दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- 12 अगस्त 2026 तक, 10.19 करोड़ परिवारों को 94.46 लाख SHGs में जोड़ा जा चुका है।
- 29 जुलाई 2026 तक, 3.46 करोड़ लखपति दीदी बनाई जा चुकी हैं।

योजनाओं की अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने में सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों की भूमिका

- वर्तमान में 9 लाख से अधिक सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (CRPs) सक्रिय हैं, जो कृषि, बैंकिंग, बीमा और पोषण जैसे विषयगत क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।
- इनमें 50,548 से अधिक बैंक सखियां, 1.91 लाख कृषि सखियां, 2,012 मत्स्य सखियां और 1.70 लाख पशु सखियां शामिल हैं।

स्वयं सहायता उद्यमी मार्ट (SHE-Mart) की शुरुआत

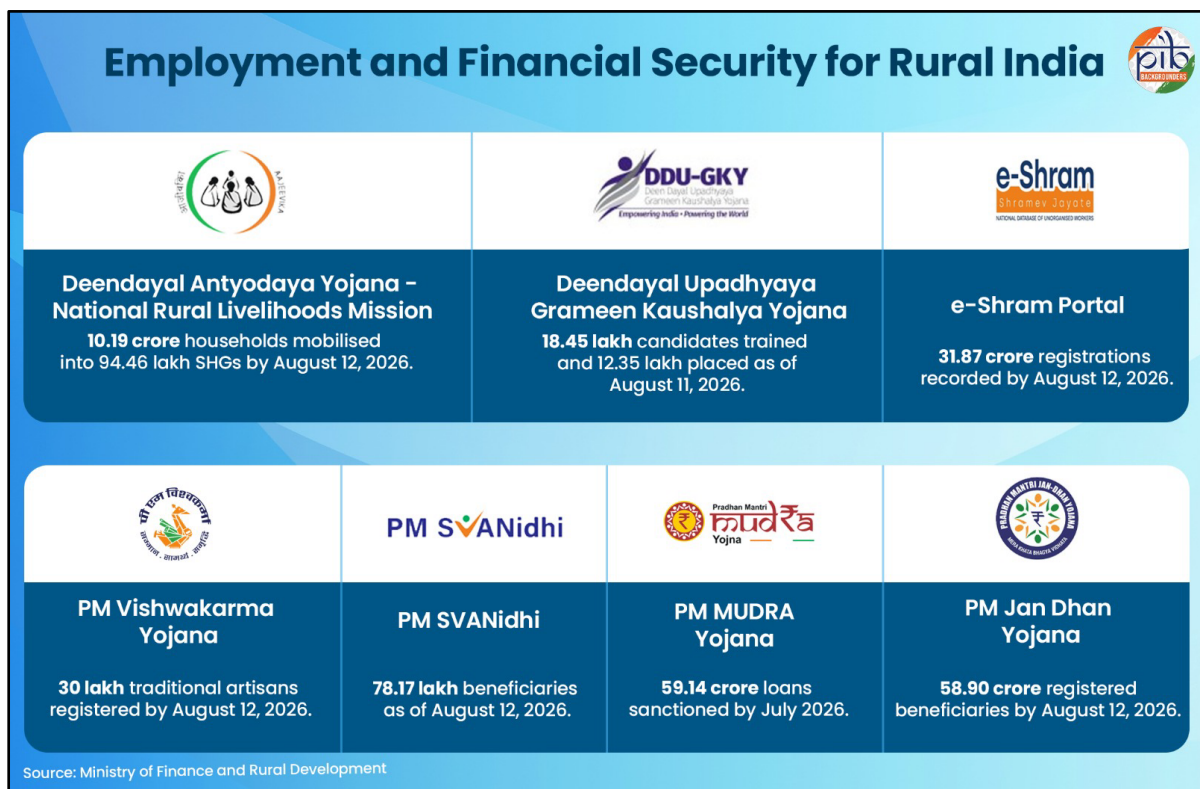
- केंद्रीय बजट 2026-27 में इसकी घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य 1 करोड़ महिलाओं को लाभ पहुंचाना है।
- इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूह (SHG) पारिस्थितिकी तंत्र के तहत महिलाओं के लिए सामुदायिक स्वामित्व वाले खुदरा केंद्र स्थापित करना है।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना

- प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या 2014-15 में 43,038 से बढ़कर 11 अगस्त 2026 तक 18.45 लाख हो गई है।
- नियुक्त उम्मीदवारों की संख्या 2014-15 में 21,446 से बढ़कर 11 अगस्त 2026 तक 12.35 लाख हो गई है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

- स्थापना से लेकर जून 2026 तक 1.64 करोड़ से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।



विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) की गारंटी

- वित्त वर्ष 2006-07 से 2013-14 के बीच कुल 1,660 करोड़ मानव-दिवस सृजित किए गए, जबकि वित्त वर्ष 2014-15 से 2024-25 के बीच यह बढ़कर 3,029 करोड़ हो गए।
- महिलाओं की भागीदारी वित्त वर्ष 2013-14 में 48% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 58.19% हो गई।

ई-श्रम पोर्टल

- पंजीकरण दिसंबर 2021 में 14.40 करोड़ से बढ़कर 12 अगस्त 2026 तक 31.87 करोड़ हो गए हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना

- 12 अगस्त 2026 तक, 30 लाख से अधिक पारंपरिक कारीगरों का पंजीकरण किया जा चुका है।

- 12 अगस्त 2026 तक, 24.32 लाख कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है और 17.70 लाख कारीगरों को टूलकिट प्रदान की गई हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि

- लाभार्थियों की संख्या नवंबर 2021 में 26.37 लाख से बढ़कर 12 अगस्त 2026 तक 78.17 लाख हो गई है।
- 12 अगस्त 2026 तक, ₹18,971.18 करोड़ के ऋण वितरित किए जा चुके हैं। कुल लाभार्थियों में 46% महिलाएं हैं।

पीएम मुद्रा योजना

- स्वीकृत ऋणों की कुल संख्या 2016 में 3.49 करोड़ से बढ़कर जुलाई 2026 तक 59.14 करोड़ से अधिक हो गई है।

पीएम जन धन योजना

- लाभार्थियों की संख्या अगस्त 2015 में 17.9 करोड़ से बढ़कर 12 अगस्त 2026 तक 58.90 करोड़ हो गई है।

सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार

- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत लाभार्थियों की संख्या 2016-17 में 1.05 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 2.17 करोड़ हो गई है।
- अटल पेंशन योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या 2016-17 में 48.80 लाख से बढ़कर जून 2026 में 9.29 करोड़ हो गई है।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत जुलाई 2026 तक 27.90 करोड़ लोगों को कवर किया गया है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 1 जुलाई 2026 तक 58.78 करोड़ लोगों को कवर किया गया है।
- प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना के तहत जुलाई 2026 तक 54 लाख से अधिक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का पंजीकरण किया जा चुका है।

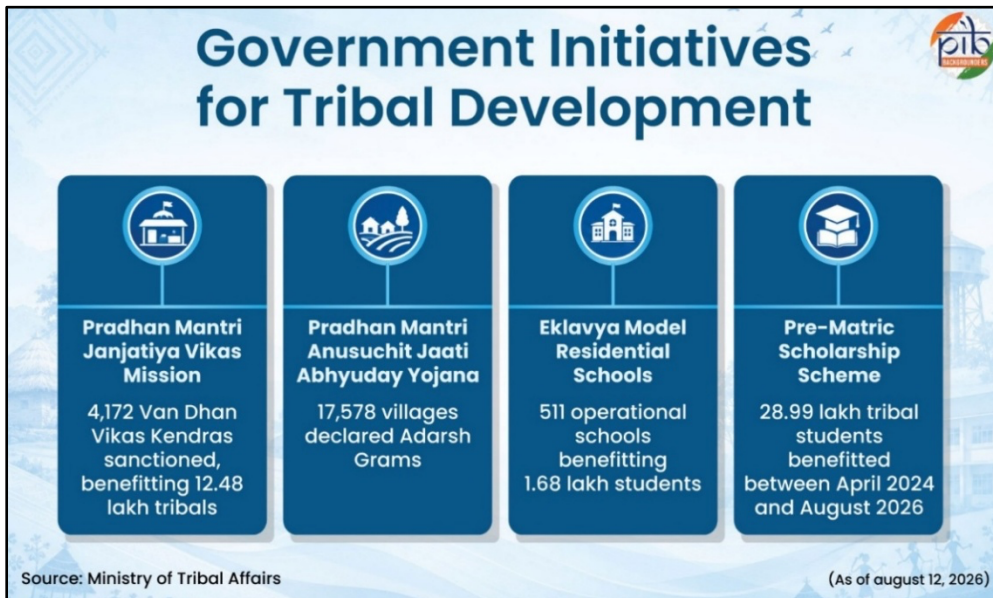
एकीकृत हस्तक्षेपों के माध्यम से जनजातीय विकास में तेजी लाना

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)

- 5 अगस्त 2026 तक, 540 वन धन विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिससे विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के 46,042 लोगों को लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (PM-JVM)

- अगस्त 2026 तक, इस योजना के तहत 4,172 वन धन विकास केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनसे 12.48 लाख जनजातीय लोगों को लाभ मिल रहा है।



प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (PM-JUGA)

यह 17 मंत्रालयों के प्रयासों को एकीकृत करता है और जनजातीय बहुल गांवों तथा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) की बस्तियों में लंबे समय से मौजूद कमियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करता है। PM-JUGA के तहत अब अलग-अलग पहलों के बजाय विभिन्न क्षेत्रों और मंत्रालयों के बीच समन्वित, मिशन मोड में योजनाओं के क्रियान्वयन पर अधिक जोर दिया जा रहा है। पिछले 12 वर्षों में—

- 7.60 लाख जनजातीय आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है और 28,303 जनजातीय गांवों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध है।
- 59,812 जनजातीय परिवारों और सार्वजनिक संस्थानों का विद्युतीकरण किया जा चुका है तथा जनजातीय क्षेत्रों में 657 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित किए गए हैं।
- जनजातीय छात्रों के लिए 692 छात्रावास भी स्वीकृत किए गए हैं।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय)

- 12 अगस्त 2026 तक, 4.16 लाख से अधिक अनुसूचित जाति आवासों का निर्माण किया जा चुका है, 4.17 लाख से अधिक SC परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं के तहत कवर किया गया है और 3.57 लाख से अधिक SC परिवारों के पास व्यक्तिगत शौचालय हैं।
- 12 अगस्त 2026 तक, 17,578 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRSs)

- संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRSs) की संख्या 2014-15 में 129 से बढ़कर 12 अगस्त 2026 तक 511 हो गई है।
- 12 अगस्त 2026 तक, EMRSs में 1.68 लाख विद्यार्थियों का नामांकन है।

पीएम-यशस्वी

- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 20.61 लाख छात्रों को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति और 24.53 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली है।

अनुसूचित जनजाति (एसटी) के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

- अप्रैल 2024 से 12 अगस्त 2026 के बीच, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से 28.99 लाख से अधिक जनजातीय विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं।
- 2025-26 में, अनुसूचित जनजाति (ST) विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप के तहत 2,961 शोधार्थियों को सहायता प्रदान की गई। इनमें 56% लाभार्थी महिलाएं थीं।

युवा प्रतिभाओं के लिए उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना (SHREYAS)

- अनुसूचित जाति (SC) विद्यार्थियों के लिए टॉप-क्लास शिक्षा योजना के तहत 2025-26 में 8,571 विद्यार्थियों को IIT, IIM, NIT और AIIMS जैसे प्रमुख संस्थानों में अध्ययन करने का अवसर मिला।

यंत्रीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (NAMASTE)

- जुलाई 2026 तक, 89,915 सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों तथा 2.81 लाख से अधिक कचरा बीनने वालों का सत्यापन किया जा चुका है।

विमुक्त जनजातियों के आर्थिक सशक्तीकरण की योजना (SEED)

- 2025-26 के दौरान, 4,485 विमुक्त जनजाति (DNT) विद्यार्थियों के शैक्षिक सशक्तीकरण के लिए ₹26.75 करोड़ वितरित किए गए।
- 2025-26 के दौरान, स्वास्थ्य घटक के तहत DNT परिवारों को 73,569 आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए गए।

संदर्भ

जल शक्ति मंत्रालय

<https://gobardhan.sbm.gov.in/>

<https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/jjmindia.aspx>

<https://sbm.gov.in/sbmgdashboard/statesdashboard.aspx>

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय

<https://pmsvanidhi.mohua.gov.in/Home/PMSDashboard>

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

<https://dashboard.nha.gov.in/public/>

<https://dashboard.abdm.gov.in/abdm/>

<https://aam.mohfw.gov.in/>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2294278®=48&lang=1>

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

https://sansad.in/getFile/lsapps/loksabhaquestions/annex/188/AU1711_fUMnpm.pdf?source=lsapps

<https://dfpd.gov.in/pradhan-mantri-garib-kalyan-anna-yojana/en>

वित्त मंत्रालय

https://sansad.in/getFile/annex/271/AS91_36800U.pdf?source=pqars

<https://pmjdy.gov.in/>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2287200®=1&lang=1>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2287200®=48&lang=2>

शिक्षा मंत्रालय

<https://diksha.gov.in/data/>
<https://swayam.gov.in/>
<https://dashboard.udiseplus.gov.in/#>
<https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/1711/AS444.pdf?source=pqals>

पीआईबी बैकग्राउंडर्स

<https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?Noteld=158809&ModuleId=3®=3&lang=1>
<https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?Noteld=157341&ModuleId=3®=3&lang=1>

ग्रामीण विकास मंत्रालय

<https://lokos.dord.gov.in/home#/>
<https://pmgsy.dord.gov.in/dbweb>
https://x.com/MoRD_GoI/status/2063930187511922850
<https://dashboard.dord.gov.in/dashboardnew/mgnrega.aspx>
<https://pmayg.gov.in/netiay/PBIDashboard/PMAYGDashboard.aspx>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2297790®=48&lang=1>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2288999®=48&lang=2>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2290658®=48&lang=2>
<https://www.pib.gov.in/PressReleaseFramePage.aspx?PRID=2112680®=48&lang=2>

पंचायती राज मंत्रालय

https://x.com/mopr_goi/status/2067496574595575823

श्रम और रोजगार मंत्रालय

<https://eshram.gov.in//dashboard>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2293891®=48&lang=1>

एमएसएमई मंत्रालय

<https://pmvishwakarma.gov.in/>

जनजातीय मामलों का मंत्रालय

<https://pmagy.gov.in/>
<https://nests.tribal.gov.in/>
<https://dashboard.tribal.gov.in/>
<https://dbttribal.gov.in/PrePostRPT.aspx?Ret=VGB==>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2286362®=48&lang=2>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2209488®=48&lang=2>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2253348®=3&lang=2>
<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2294712®=6&lang=1>

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

<https://www.pmuy.gov.in/index.aspx>

नीति आयोग

<https://niti.gov.in/sites/default/files/2026-05/School-Education-System-in-India.pdf>

पीआईबी शोध

पीके/केसी/वीएस